बीत गई जिंदगानी भजन बिना

बीत गई जिंदगानी भजन बिना,
हरि के भजन बिना राम भजन बिना,
बीत गई जिंदगानी भजन बिना....

बाल अवस्था खेल में गवायो,
भोग विलास जवानी भजन बिना,
बीत गई जिंदगानी भजन बिना....

वृद्ध भए तन मोह और माया,
लोग अधिक लिप्त आनी भजन बिना,
बीत गई जिंदगानी भजन बिना....

यह अनमोल रतन धन मानस,
व्यर्थ कियो अभिमानी भजन बिना,
बीत गई जिंदगानी भजन बिना....

खाय सोए दिन-रात गवायो,
कियो बहुत नादानी भजन बिना,
बीत गई जिंदगानी भजन बिना....

धन योवन और माल खजाना,
सब यहीं पर छूट जानी भजन बिना,
बीत गई जिंदगानी भजन बिना....

https://bhajanganga.com/bhajan/lyrics/id/28933/title/beet-gayi-zindgani-bhajan-bina

अपने Android मोबाइल पर BhajanGanga App डाउनलोड करें और भजनों का आनंद ले |